क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 285, मंगलवार, 13 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली में एनआरसी बनाने की मांग की मनोज तिवारी ने

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दिल्ली में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) तैयार करने की मांग की है। ओखला, सीलमपुर, जाफ्राबाद, मुस्तफाबाद जैसे कालोनियों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी मुसलमान होने की आशंका जताई जा रही है।मनोज तिवारी ने कहा कि एनआरसी बनाने की मांग उन्होने केन्द्रीय गृह मंत्री से की है। जल्द इस विषय पर वह गृह मंत्री को पत्र लिखेंगे। तिवारी ने कहा की दिल्लीवासियों की सुरक्षा आवश्यक है, इसलिए दिल्ली वासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेशियों को वापस भेजा जाना चाहिए। उन्होने कहा कि यमुना बाढ़ क्षेत्र में सरकारी भूमि पर बड़े पैमाने पर अनधिकृत रूप से ऊंचे भवन बनाए गए हैं जो गैरकानूनी है, इस गैरकानूनी निर्माण के विरोध में वे जल्द डीएनडी फ्लाईओवर ब्रिज पर धरना देंगे। उन्होने कहा कि डीएनडी फ्लाईओवर से देखने पर ओखला से सटे इलाके में बड़े पैमाने पर हो चुके गैरकानूनी बहुमंजिला निर्माण को देखा जा सकता है। अगर इन सारे गैरकानूनी निर्माण को नहीं तोड़ा गया तो दिल्ली के अन्य हिस्से में भी सीलिंग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि मानिटरिंग कमेटी इन अवैध निर्माण को सहयोग कर रही है।

यूपी: शिवपाल का दावा, समान विचारधारा वाले 43 दल साथ

संडीला (हरदोई) प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी यूपी में सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आएगी। फिलहाल 43 समान विचारधारा वाले दल उनके साथ हैं। संडीला में उर्स व दंगल समारोह में आए शिवपाल ने कहा कि बड़े भइया मुलायम सिंह यादव के अलावा उनकी बहू अपर्णा यादव भी उनके साथ हैं। चुनाव में जितने भी दल उतरेंगे, उनसे वार्ता करेंगे। वामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम से भी बात हुई है, सब उनके साथ हैं। इस मौके पर अपर्णा यादव ने कहा कि वह जो कुछ भी कर रहीं, नेताजी के कहने पर कर रही हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कोई टिप्पणी नहीं की।

...तो मुलायम की बहुएं भी होंगी आमने-सामने

दंगल में जहां पहलवान कुश्ती के दांवपेच आजमाने में मशगूल थे वहीं चाचा शिवपाल के साथ खुलकर आईं अपर्णा ने नए सियासी संकेत दिए हैं। चर्चा रही कि राजनीति के अखाड़े में अब मुलायम के बेटे अखिलेश और भाई शिवपाल के आमने-सामने जोर आजमाइश करने के साथ ही कुनबे में बिखराव होगा। मुलायम की बड़ी बहू डिंपल यादव का सामना आने वाले दिनों में देवरानी अपर्णा से भी हो सकता है।

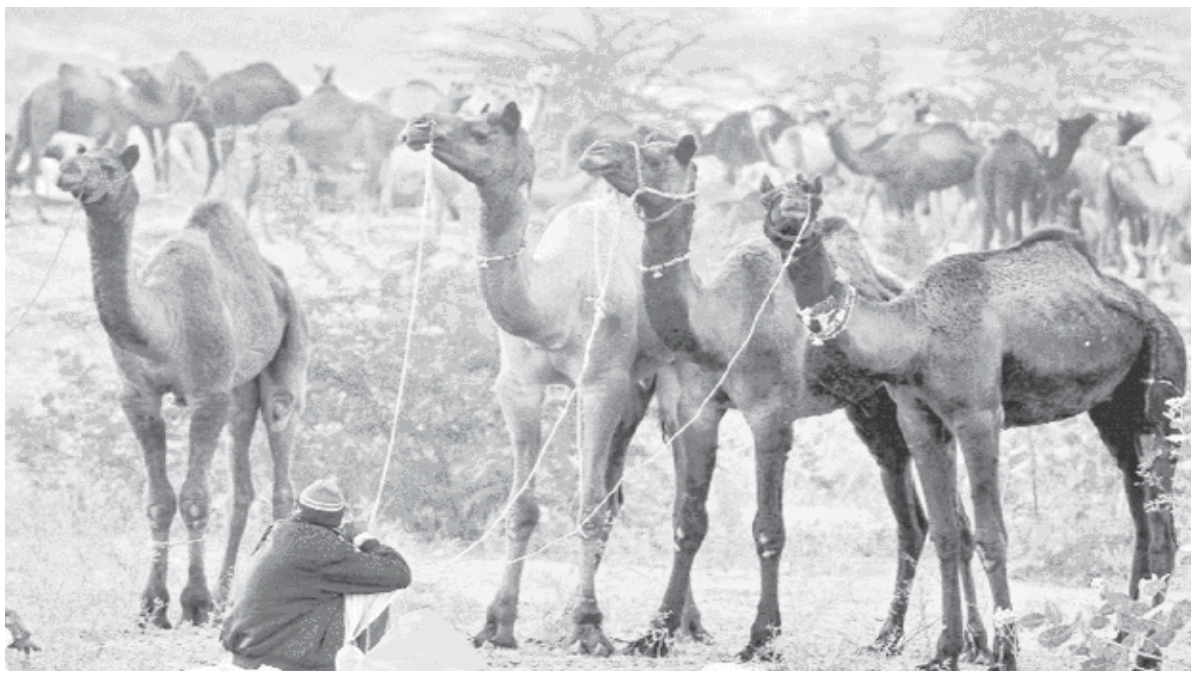

पुष्कर में चल रहे वार्षिक ऊंट मेला 2018 के दौरान रविवार को अपने ऊंटों के साथ एक ग्रामीर।

डीयू: फिर शुरू हो होंगे बंद हो चुके इनोवेशन आधारित शोध

नई दिल्ली। दिल्ली विविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेजों में बंद हो चुके शोध आधारित इनोवेशन प्रोजेक्ट फिर से शुरू होंगे। विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने डीयू समेत देशभर के विविद्यालयों को कहा है कि वह अपने यहां इंस्टीटयूशन इनोवेशन काउंसिल का गठन करें। इस संबंध में यूजीसी ने विविद्यालयों को इनोवेशन काउंसिल के गठन के लिए 20 नवम्बर तक आवेदन करने को कहा है। डीयू की कार्यकरी परिषद सदस्य डॉ राजेश झा ने कहा कि इनोवेशन को लेकर हास्यस्पद स्थिति हो गई है। डीयू में फंड न मिलने के चलते बड़े पैमाने पर इनोवेशन प्रोजेक्ट काफी समय पहले ही बंद हो चुके हैं। इससे कॉलेज स्तर पर होने वाले शोध को झटका लगा। अब यूजीसी के निर्देश के बाद डीयू में इनोवेशन काउंसिल की जल्द शुरुआत हो, यह अच्छा होगा। उन्होने कहा कि हालांकि इसमें कितना समय लगेगा कहा नहीं जा सकता है। डीयू से सम्बद्ध एक कॉलेज के प्राचार्य ने कहा कि इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत जो शोध हुआ करते थे, वह बंद हो गया। इससे खासतौर विद्यार्थियों और शिक्षकों का काफी नुकसान हो रहा है। इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत 2 लाख से लेकर 5 लाख रपए तक मिलता था। वर्ष 2016 को बाद इनोवेशन प्रोजेक्ट तहत मिलने वाला फंड बंद हो गया है। बता दें कि डीयू में इनोवेशन प्रोजेक्ट तहत विद्यार्थियों के ज्ञान का विस्तार होता था। यह प्रोजेक्ट रोजगारउन्मुख भी होते थे। जिससे विद्यार्थी अपना रोजगार भी कर सकते थे।

ऑटो चालक की भूमिका की जांच की शुरू

बुजुर्ग महिला से पिस्टल के बल पर लूटपाट

नई दिल्ली। न्यू फ्रेंडस कॉलोनी थाना इलाके में ऑटो से अपने घर जा रही एक बुजुर्ग महिला से हथियार बंद बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर लूटपाट की और फरार हो गए। पीड़िता का नाम सुखदेव विहार के पॉकेट-बी निवासी मधु सोनी (61) है। बदमाश उनसे सोने के कड़े, आईफोन व पर्स में रखे 1 लाख 57 हजार रु पए लूट ले गए। वारदात के बाद पीड़िता ने लूटपाट की सूचना पुलिस को सूचना दी और केस दर्ज कराया। शुरुआती जांच में पता चला कि वारदात के समय पीड़िता लाजपत नगर से सुखदेव विहार स्थित अपने घर जा रही थी। रास्ते में ऑटो चालक ने खुद ही एक स्थान पर ऑटो रोक दी और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ऑटो चालक की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पीड़िता मधु सोनी के पति जगदीश सोनी पेशे से वकील हैं। बताया जाता है कि अगले सप्ताह मधु सोनी के बेटे राहुल सोनी की शादी है, जिसकी तैयारियों में उनका परिवार जोर-शोर से लगा हुआ है। घटना शनिवार की है, जब किसी काम से मधु सोनी लाजपत नगर गई थीं और वहां से ऑटो में वह अकेली ही वापस घर लौट रही थी। गढ़ी लाल बत्ती के पास ऑटो चालक ने पहले तो कुछ मिनट के लिए ऑटो रोका और फोन पर बात करता हुआ पान की दुकान पर चला गया। वहां से कुछ देर बाद ऑटो लेकर आगे बढ़ा, लेकिन सुखदेव विहार रोड पर देव समाज स्कूल के पास ऑटो चालक ने फिर से सड़क किनारे ऑटो रोक दी। इसी बीच अचानक बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे और पिस्टल दिखाकर बुजुर्ग महिला से लूटपाट करने लगे। बदमाशों ने उनसे सोने की दो चूड़ी, आईफोन 6 एस व रपए से भरा पर्स जिसमें 1 लाख 57 हजार रपए व कुछ अन्य जरूरी कागजात मौजूद थे, लूट लिया और फरार हो गए। घटना के बाद ऑटो चालक ने पीड़िता को उनके घर पर छोड़ा और अपना किराया लेकर चला गया। जाने से पहले उसने लुटेरों की बाइक का नंबर भी बताया। बाद में घटना की जानकारी पुलिस को देकर पीड़िता ने केस दर्ज कराया। घटना के संदर्भ में पीड़िता के बेटे राहुल ने बताया कि ऑटो चालक की हरकतों की वजह से आशंका है कि वह भी लूट की साजिश में शामिल हो सकता है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में है।

अयोध्या-मथुरा में शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध की तैयारी

लखनऊ। राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक नगरी अयोध्या और मथुरा में शराब व मांस की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार के प्रवक्ता व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा है कि साधु-संतों की मांग पर इन दोनों धार्मिक स्थलों को तीर्थ स्थल घोषित करते हुए इस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। राज्य सरकार मथुरा परिक्रमा वाले क्षेत्र में पहले से मांस व मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा चुकी है।

महाराष्ट्र व उड़ीसा में था सक्रिय, 45 प्रतिबंधित कारतूस बरामद

दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र से नक्सली को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक ऐसे नक्सली को गिरफ्तार किया है जो लंबे समय से उड़ीसा व महाराष्ट्र के इलाकों में नक्सलियों को प्रतिबंधित कारतूस सप्लाई कर रहा था। स्पेशल सेल ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से शुक्रवार को धर दबोचा। उसके पास से 45 कारतूस बरामद किए। दिल्ली पुलिस ने आरोपी पर दो लाख रपए का इनाम रखा था। इन प्रतिबंधित कारतूस का सेना और अन्य शस्त्र बलों को इस्तेमाल करने की अनुमति है। डीसीपी पीएस कुशवाह ने बताया कि आरोपी की शिनाख्त अजीत रे (48) निवासी गांव मुलचेहरा जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र के रूप में हुई है। आरोपी उड़ीसा के अलावा महाराष्ट्र के इलाकों में सक्रिय था और वहां पर वह नक्सलियों को उनकी डिमांड के हिसाब से कारतूस मुहैया करवाता था। दरअसल स्पेशल सेल ने बिहार के आरा जिला के रहने वाले रामकिशन सिंह नामक एक शख्स को बीते 12 जुलाई को पकड़ा था उसने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह वर्ष 2015 से इस तरह की गतिविधियों में शामिल है। वह अपने

एक साथी संजय के साथ मिलकर बिहार के आरा जिले से इन प्रतिबंधित कारतूसों को खरीदकर बिहार के अलावा अन्य कई नक्सली इलाकों में सप्लाई किया करते थे। इस बीच राम किशन ने खुलासा किया वह महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के रहने वाले अजीत रॉय उर्फ अजीत रे को भी इन प्रतिबंधित कारतूसों की सप्लाई करता है। पुलिस ने राम किशन के पास से 407 जबकि संजय सिंह के कब्जे से 22 कारतूस बरामद किये थे। इस बीच स्पेशल सेल की एक टीम को गढ़चिरौली के लिए रवाना किया। जिसके बाद बीते शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 45 कारतूस बरामद किये है। जांच में पता चला कि अजीत रॉय राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल है वह नक्सली होने के साथ नक्सलियों से मिलकर कई गतिविधियों में शामिल रहा चुका है। और वह उन्हे प्रतिबंधित कारतूस बरामद सप्लाई किया करता है। वही आरोपी 25 सालों से नक्सलियों को कारतूस सप्लाई किया करता था। और 2008 में एक बार उडीसा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर चुकी है। वही आरोपी पर दिल्ली पुलिस ने दो लाख रपए का इनाम रखा था। पुलिस आरोपी से अन्य लोगों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।

आरोपी पर कई मामले हैं दर्ज : स्पेशल सेल की गिरफ्त में आए नक्सली अजीत रॉय उर्फ अजीत रे पर महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में पहले से ही अर्म्स एक्ट के तहत चार मामले दर्ज है जबकि उड़ीसा में एक मामला दर्ज है।

कई दल चाह रहे गठबंधन न होने पाए, पर हम कामयाब होंगे : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा-बसपा गठबंधन के सवाल पर कहा कि बहुत दल चाहेंगे कि गठबंधन न हो पाए। डॉ. लोहिया की समाजवादी विचारधारा और डा. आंबेडकर की विचारधारा एक न होने पाए, लेकिन हम इसमें कामयाब होंगे। अखिलेश सोमवार को 'फेक न्यूज' पर लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। अखिलेश ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा है कि एक पार्टी बहुत सारे व्हाट्सअप एप ग्रुप बनाकर आठ घंटे झूठ फैलाने के लिए नौकरी दे रही है। उनकी लड़ाई भाजपा से है पर वह सच्चाई का साथ नहीं छोड़ेंगे। भाजपा गंगा नदी में जहाज चलाकर कारोबार करना चाहती है। उसको स्वच्छ और निर्मल बनाने का उनका कोई इरादा नहीं है। गंगा आज भी उतनी ही मैली है। वाराणसी को क्योटो जैसा शहर बनाने का वादा था, लेकिन कुछ नहीं किया गया है। बस लंबी-चौड़ी घोषणाएं करके जनता को बहलाया जा रहा है। वाराणसी के लोग इससे अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रवादी बनते हैं, लेकिन वे देश विरोधी काम कर रहे हैं। हिटलर-मुसोलिनी के जमाने में भी झूठा प्रचार होता था। दुख और दुर्भाग्य की बात है कि सत्ता से लाभ लेने के लिए पढ़े-लिखे लोग भी इसमें शामिल हो जाते हैं। गलत लोगों को सम्मान नहीं मिलना चाहिए। आज के दौर में झूठ फैलाने का भी रोजगार हो गया है। जो लोग समाज में नफरत फैला रहे हैं उनको बड़े लोग फालो कर रहे हैं। बंद कमरों में उन्हें सम्मान मिलता है। अभी चुनाव आने वाले है इसलिए अभी और झूठ आएगा। उन्होंने कहा कि डा. लोहिया और डा. आंबेडकर को जोड़कर चल रहे हैं। हम न तो अपने मुद्दों से हटेंगे और नहीं एक साथ चलने की विचारधारा छोडेंगे। तकनीक का दुरुपयोग रोका जाना चाहिए। समाज में नफरत नहीं फैलाई जाए और समाज में खाई न बढ़े। बात बुनियादी मुद्दों पर होनी चाहिए।

हर्ष फायरिंग मामला:

महिला पार्षद के पास कहां से आई रिवाल्वर?

मथुरा। नगर निगम मथुरा की वार्ड-50 की पार्षद रश्मि शर्मा हर्ष फायरिंग के मामले में फंस गयी है। नगर निगम मथुरा की वार्ड-50 की पार्षद रश्मि शर्मा हर्ष फायरिंग के मामले में फंस गयी है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वीडियो वाइरल होने के बाद मामले की जांच करके पार्षद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस जानकारी कर रही है कि यह रिवाल्वर किसके नाम है। विदित हो दीपावली पर्व पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। तो इसदौरान भाजपा की पार्षद रश्मि शर्मा ने अपने पिता के गोविंदनगर स्थित आवास पर लाइसेंसी रिवाल्वर से हर्ष फायरिंग की। इसके बाद इसको सोशल साइट फेसबुक पर वीडियो बाइरल कर दिया गया। सोशल साइट पर पार्षद द्वारा रिवाल्वर से फायरिंग करते हुए वीडियो वाइरल होने की जानकारी होते ही पुलिस प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लिया। सूत्रों की मानें तो मामले की जानकारी होने पर एसएसपी बबलू कुमार ने इसकी जांच के आदेश दिये थे। थाना गोविंदनगर के उप निरीक्षक राजवीर सिंह ने इस मामले की जांच की तो इसे हर्ष फायरिंग की श्रेणी में पाये जाने पर पार्षद के खिलाफ थाना गोविंदनगर में शनिवार को रश्मि शर्मा के खिलाफ 27/30 आयुध अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें आरोप लगाया कि रश्मि शर्मा ने अपनी फेसबुक आईडी से सोशल मीडिया पर स्वंय फायरिंग करते हुए वीडियो बनाकर अपलोड की है। प्रभारी निरीक्षक गोविंदनगर ने बताया कि इस मामले की विवेचना एसएसआई अजय यादव द्वारा की जा रही है।

हर्ष फायरिंग वाली रिवाल्वर किसकी

गोविंदनगर स्थित सी-36 आवास में रह रही रश्मि शर्मा पुत्री सुभाष चंद्र शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस अब इस मामले की जांच करने में जुट गयी है,कि जिस असलाह से हर्ष फायरिंग की थी वह असलाह किसका है। उसका लाइसेंस किसके नाम है। इसके बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जायेगी। प्रभारी निरीक्षक गोविंदनगर बैजनाथ सिंह ने बताया कि विवेचना चल रही है। लाइसेंसी असलाह अन्य का पाये जाने पर उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी,यहां तक कि लाइसेंस निरस्ती करण की भी कार्रवाई हो सकती है।

उज़र प्रदेश: अयोध्या और मथुरा में शराब और मांस पर लग सकता है प्रतिबंध

एजेंसी,लखनऊ। साधु संतों और करोड़ों भक्तों की थी मांग

यूपी सरकार के प्रवक्ता और प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने सोमवार को न्यूज एजेंसी ने 'भाषा' से विशेष बातचीत में कहा ''साधु संतों और करोड़ों भक्तों की मांग थी कि राम और कृष्ण की नगरी में मांस-मदिरा की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगाया जाये। उनकी मांग का सम्मान करते हुये प्रदेश सरकार अयोध्या की चौदह कोसी परिक्रमा के आसपास के इलाके और मथुरा में भगवान कृष्ण के जन्म स्थान के आसपास के इलाके को तीर्थ स्थान घोषित करने की योजना पर काम कर रही है। जब ये दोनों स्थान तीर्थ स्थान घोषित हो जायेंगे तो यहां स्वत: ही मांस-मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लग जायेगा। बिना तीर्थ स्थान घोषित किये इन दोनों स्थानों पर मांस-मदिरा पर प्रतिबंध लगाना संभव नही है ।'' उन्होंने कहा ''अयोध्या और मथुरा में मांस-मदिरा पर प्रतिबंध की मांग को सरकार ने गंभीरता से लिया है और इन दोनों जगहों को तीर्थ स्थान घोषित करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

राम जन्मभूमि विवाद: स्ट्र ने याचिकाओं पर जल्द सुनवाई से किया इंकार

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा का इलाका, मथुरा में भगवान कृष्ण के जन्म स्थान के आसपास के इलाके को तीर्थ स्थान घोषित कर यहां पर मांस-मदिरा पर प्रतिबंध लगाये जाने की योजना है ।

अयोध्या में विहिप के शीर्ष नेताओं ने डाला डेरा, 25 नवम्बर से शंखनाद

नवी मुंबई के खारकोपर रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित नेरुल-खारकोपर रेलवे लाइन के उद्घाटन अवसर पर सजी हुई एक ट्रेन।

दखल

खोदते-खोदते खो रहे हैं पहाड़

राजस्थान की 128 पहाड़ियों में से 31 के गायब हो जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता सही है। हम विकास के नाम पर पहाड़ों को काटने से पीछे नहीं हट रहे हैं। पर्यावरणीय संतुलन में पहाड़ों की भूमिका किसी से भी छिपी नहीं है। सब कुछ जानते हुए भी कभी हाईवे तो कभी रेलमार्ग के नाम पर पहाड़ों पर विस्फोट आम बात हो गई है। जितनी चिंता ग्लेशियर्स के पिघलने को लेकर दिखती है उतनी पहाड़ों के खत्म होने पर नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों जब सरकार से पूछा कि राजस्थान की 128 पहाड़ियों में से 31 को क्या हनुमानजी उठा कर ले गए? तब सभी जागरूक लोग चौंके कि इतनी सारी पांबदी के बाद भी अरावली पर चल रहे अवैध खनन से किस तरह भारत पर खतरा है। असल में जब तक कोई पर्यावरणीय खतरा दिल्ली पर नहीं मंडराता, उसे गंभीरता से लिया नहीं जाता। जान लें कि गुजरात के खेड ब्रह्म से शुरू होकर कोई 692 किमी तक फैली अरावली पर्वतमाला का विसर्जन देश के सबसे ताकतवर स्थान रायसीना हिल्स पर होता है जहां राष्ट्रपति भवन स्थित है। अरावली पर्वतमाला को कोई 65 करोड़ साल पुराना माना जाता है और इसे दुनिया के सबसे प्राचीन पहाड़ों में एक गिना गया है। ऐसी महत्वपूर्ण प्राकृतिक संरचना का बड़ा हिस्सा बीते चार दशक में पूरी तरह न केवल नदारद हुआ, बल्कि कई जगह उतुंग शिखर की जगह डेढ़ सौ फुट गहरी खाई हो गई। असल में अरावली पहाड़ रेगिस्तान से चलने वाली आंधियों को रोकने का काम करते रहे हैं जिससे मरूभूमि का विस्तार नहीं हुआ एवं दूसरा इसकी हरियाली, साफ हवा और बरसात का कारण बनती रही।

अरावली पर खनन से रोक का पहला आदेश सात मई 1992 को जारी किया गया। फिर सन 2003 में एमजी मेहता की याचिका सुप्रीम कोर्ट में आई। कई-कई ओदश आते रहे लेकिन दिल्ली में ही अरावली पहाड़ को उजाड़ कर एक सांस्थानिक क्षेत्र, होटल, रक्षा मंत्रालय की बड़ी आवासीय कोलेनी बना दी गई। अब जब दिल्ली में गर्मी के दिनों में पाकिस्तान से आ रही रेत की मार व तपन ने तंग करना शुरू किया तब यहां के सत्ताधारियों को पहाड़ी की चिंता हुई। देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल, पानी बचाने की तो कई मुहिम चल रही है, लेकिन मानव जीवन के विकास की कहानी के आधार रहे पहाड़-पठारों के नैसर्गिक स्वरूप को उजाड़ने पर कम ही विमर्श है। समाज और सरकार के लिए पहाड़ अब जमीन या धनार्जन का माध्यम रह गए हैं और पहाड़ निराश-हताश से अपनी अंतिम सांस तक समाज को सहेजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को आदेश दिया है कि वह अरावली पहाड़ियों के 115.34 हेक्टेयर क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन पर रोक लगाए। दरअसल राजस्थान के 1करीब 19 जिलों में अरावली पर्वतमाला निकलती है। यहां 45 हजार से ज्यादा वैध-अवैध खदाने है। इनमें से लाल बलुआ पत्थर का खनन बड़ी निर्ममता से होता है और उसका परिवहन दिल्ली की निर्माण जरूरतों के लिए अनिवार्य है। अभी तक अरावली को लेकर रिचर्ड मरफी का सिद्धांत लागू था इसके मुताबिक सौ मीटर से ऊंची पहाड़ी को अरावली हिल माना गया और वहां खनन को निषिद्ध कर दिया गया था, लेकिन इस मामले में विवाद उपजने के बाद फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया ने अरावली की नए सिरे से व्याख्या की। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक, जिस पहाड़ का झुकाव तीन डिग्री तक है उसे अरावली माना गया। इससे ज्यादा झुकाव पर ही खनन की अनुमति है, जबकि राजस्थान सरकार का कहना था कि 29 डिग्री तक झुकाव को ही अरावली माना जाए। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और सुप्रीम कोर्ट यदि फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के तीन डिग्री के सिद्धांत को मानता है तो प्रदेश के 19 जिलों में खनन को तत्काल प्रभाव से बंद करना पड़ेगा।

हजारों-हजार साल में गांव-शहर बसने का मूल आधार वहां पानी की उपलब्धता होता था। पहले नदियों के किनारे सभ्यता आई, फिर ताल-तलैयों के तट पर बस्तियां बसने लगीं। किसी भी आंचलिक गांव को देखें, जहां नदी का तट नहीं है-कुछ पहाड़, पहाड़े के निचले हिस्से में झील व उसे घेरकर बसी बस्तियों का ही भूगोल दिखेगा। छतरपुर शहर बानगी है- अभी सौ साल पहले तक शहर के चारों सिरों पर पहाड़ थे, हरे-भरे पहाड़, खूब घने जंगल वाले पहाड़ जिन पर जड़ी बूटियां थी, पक्षी थे, जानवर थे। जब कभी पानी बरसता तो पानी को अपने में समेटने का काम वहां की हरियाली करती, फिर बचा पानी नीचे तालाबों में जुट जाता। भरी गरमी में भी वहां की शाम ठंडी होती और कम बारिश होने पर भी तालाब लबालब। बीते चार दशकों में तालाबों की जो दुर्गति हुई सो हुई, अब पहाड़ों पर हरियाली उजाड़ कर झोपड़-झुग्गी उगा दी गईं। नंगे पहाड़ पर पानी गिरता है तो सारी पहाड़ी काट देता है, अब वहां पक्की सड़क डाली जा रही हैं। इधर हनुमान टौरिया जैसे पहाड़ को नीचे से काट-काट कर दफ्तर, कालोनी सब कुछ बना दिए गए हैं। वहां जो जितना रुतबेदार है, उसने उतना ही पहाड़ काट लिया। यह कहानी देश के हर कस्बे या उभरते शहर की है, किसी को जमीन चाहिए थी तो किसी को पत्थर तो किसी को खनिज; पहाड़ को एक बेकार, बेजान संरचना समझ कर खोद दिया गया।

अब समझ में आ रहा है कि नष्ट किए गए पहाड़ के साथ उससे जुड़ा पूरा पर्यावरणीय तंत्र ही नष्ट हो गया है। खनिज के लिए, सड़क व पुल की जमीन के लिए या फिर निर्माण सामग्री के लिए, बस्ती के लिए, विस्तार के लिए, जब जमीन बची नहीं तो लोगों ने पहाड़ों को सबसे सस्ता, सुलभ व सहज जरिया मान लिया। उस पर किसी की दावेदारी भी नहीं थी। सतपुड़ा, मेकल, पश्चिमी घाट, हिमालय, कोई भी पर्वतमालाएं लें, खनन ने पर्यावरण को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। रेल मार्ग या हाईवे बनाने के लिए भी पहाड़ों को मनमाने तरीके से बारूद से उड़ाने वाले इंजीनियर इस तथ्य को शातिरता से नजरअंदाज कर देते हैं कि पहाड़ स्थानीय पर्यावास, समाज, अर्थ व्यवस्था, आस्था, विश्वास का प्रतीक होते हैं। पारंपरिक समाज भले ही इतनी तकनीक न जानता हो, लेकिन इंजीनियर तो जानते हैं कि धरती के दो भाग जब एक-दूसरे की तरफ बढ़ते हैं या सिकुड़ते हैं तो उनके बीच का हिस्सा संकुचित हो कर ऊपर की ओर उठ कर पहाड़ की शक्ल लेता है। जाहिर है कि इस तरह की संरचना से छोड़छाड़ के भूगर्भीय दुष्परिणाम उस इलाके में कई-कई किलोमीटर दूर तक हो सकते हैं। पुणे जिले के मालिण गांव से कुछ ही दूरी पर एक बांध है, उसको बनाने में वहां की पहाड़ियों पर खूब बारूद उड़ाया गया था। यह जांच का विषय है कि इलाके के पहाड़ों पर हुई तोड़-फोड़ का इस भूस्खलन से कहीं कुछ लेना-देना है भी या नहीं। किसी पहाड़ी की तोड़फोड़ से इलाके के भूजल स्तर पर असर पड़ने, कुछ झीलों का पानी पाताल में चले जाने की घटनाएं तो होती ही रहती हैं।

यदि गंभीरता से देखें तो लालची मनुष्य के लिए फिलहाल पहाड़ का छिन्न-भिन्न होता पारिस्थिति तंत्र चिंता का विषय ही नहीं है। इसका विमर्श कभी पाठ्य पुस्तकों में होता ही नहीं हैं। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य है तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। वृक्ष से पानी, पानी से अन्न तथा अन्न से जीवन मिलता है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी जंगल उजाड़ दिए गए पहाड़ों से ही हुआ है। यह विडंबना है कि आम भारतीय के लिए 'पहाड़' पर्यटन स्थल हैं या फिर उसके कस्बे का पहाड़ डरावनी सी उपेक्षित संरचना। विकास के नाम पर पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आए वाहनों, के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने या कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ को ही निशाना बनाया गया। यह अब भी जारी है।

पंकज चतुर्वेदी
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

मालदीव को साधना जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। मोदी का यह कदम दोनों देशों को फिर से करीब लाने में मदद करेगा और इस देश पर चीन के प्रभुत्व को कमजोर करने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 नवंबर को मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलेह के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। भारत ने मोदी की यात्रा को नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत बताया है। माना जा रहा है कि मालदीव में नई सरकार के गठन के बाद भारत-मालदीव रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश भी तेज होगी। गौरतलब है कि मालदीव से पिछले कुछ सालों में रिश्तों में काफी खटास आ गई थी। चीन का दखल बढ़ने के साथ ही भारत की भूमिका पर सवाल खड़े किए जा रहे थे। भारतीयों से भेदभाव, उन्हें वीजा और रोजगार न देने के मामलों में दोनों देशों के रिश्तों में दरार पैदा कर दी थी। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को चीन का समर्थक माना जा रहा था। भारत व अमेरिका के विरोध के बावजूद यामीन ने मालदीव में आपातकाल लागू कर विपक्षी दलों के नेताओं को जेल भेज दिया था। हाल में हुए चुनाव में यामीन को संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में सोलेह ने हराया था। अब सोलेह की अगुवाई में भारत व मालदीव के रिश्ते फिर से बेहतर होंगे। जानकार चीन का दखल सीमित होने की उम्मीद भी जता रहे हैं।

मालदीव की पहचान एक खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में है, लेकिन हाल के वर्षों में इस देश की अहमियत भारत और चीन के लिए रणनीतिक रूप से बढ़ी है। हिंद महासागर में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए कई देशों में मौजूदगी बढ़ा रहा है तो दूसरी तरफ भारत चीन को रोकने के लिए चाहता है कि वो इन देशों में अपनी मौजूदगी को पुख्ता करे। 1200 द्वीपों वाला 90 हजार वर्ग किलोमीटर का यह देश समुद्री जहाजों का महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत और चीन दोनों चाहते हैं कि उनकी नौसैनिक रणनीति के दायरे में यह इलाका रहे। भारत पिछले कुछ सालों से मालदीव से दूर होता गया। इसकी वजह यह रही कि अब्दुल्ला यामीन की सरकार को चीन ज्यादा रास आया और उन्होंने भारत से साथ बेरुखी दिखाई। करीब चार लाख की आबादी वाले इस देश में सालों से भारत का प्रभाव रहा है। मालदीव में चीन की दिलचस्पी हाल के वर्षों में बढ़ी है। मालदीव को चीन महत्वाकांक्षी परियोजना वन बेल्ट वन रोड में एक अहम रूट के तौर पर देख रहा है। चीन की बढ़ती दिलचस्पी से भारत का असहज होना लाजिमी था। भारत को लगता है कि चीन मालदीव में कोई निर्माण कार्य करता है तो उसके लिए यह सामरिक रूप से झटका होगा।

मार्च 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव का दौरा रद्द कर दिया था। मोदी मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद को निर्वासित करने को लेकर नाराज थे। नशीद को भारत समर्थक राष्ट्रपति कहा जाता है। नरेंद्र मोदी का पड़ोसी देशों से संबंध बेहतर करने पर जोर है। ऐसे में भारत के पास एक और मौका है मालदीव पर अपना प्रभाव मजबूत करने का और इस इलाके में सबसे अहम नेतृत्व के तौर पर उभरने का, जिसे इस बार जाया नहीं करना चाहिए। देखना है कि मालदीव के दौरे पर मोदी के जाने के बाद चीन क्या करेगा।

स्मॉग फ्री टॉवर की दरकार

दीपावली पर पटाखे जलाने की समय सीमा को नागरिकों ने हवा में उड़ा दिया। नतीजा यह हुआ कि दिल्ली और दूसरे शहरों में प्रदूषण का ग्राफ तेजी से ऊपर चला गया। देश में जानलेवा प्रदूषण से निपटने के सारे उपाय अब तक व्यर्थ साबित हुए हैं। ऐसे में अगर दूसरे देशों का अनुसरण किया जाए, तो बेहतर होगा। यूरोपीय देशों में प्रदूषण से निपटने के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। हमें भी उस ओर ध्यान देना होगा।

दिवाली के दूसरे दिन बाद दिल्ली में सुबह जब लोगों ने आंखें खोलीं तो कई इलाकों में उन्हें सांस लेने में भी दिक्कत हुई। साउथ ब्लॉक एवं आसपास का इलाका स्मॉग की मोटी चादर से ढका था। दिवाली से पहले भले ही पटाखों को लेकर लोगों में उत्साह कम देखा गया था पर बुधवार को दिल्ली में जमकर पटाखे फोड़े गए, जिससे राजधानी की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे फोड़ने को लेकर रात आठ से 10 बजे की समयसीमा तय की थी पर लोगों ने इस आदेश का उल्लंघन किया। कई इलाकों में शाम से ही पटाखे फोड़ने की शुरुआत हो गई, जो देर रात तक जारी रही। दीपावली के दूसरे दिन एयर क्वॉलिटी इंडेक्स पीएम 2.5 805 रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के कई इलाकों में तो एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 900 के ऊपर पहुंच गया। आनंद विहार में लेवल 999, अमेरिकी दूतावास चाणक्यपुरी के आसपास 459 और मेजर ध्यान चंद नैशनल स्टेडियम के आसपास 999 पहुंच गया, जो हवा की गुणवत्ता की खतरनाक श्रेणी में आता है।

दीपावली के बाद प्रदूषण का ऐसा ग्राफ कई और शहरों में भी देखने को मिला। अपनी खुशियों के आगे किसी ने भी देश के पर्यावरण की सुध नहीं ली। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ 'ग्रीन पटाखों' के निर्माण व बिक्री की अनुमति दी थी। ग्रीन पटाखों से कम प्रकाश और ध्वनि निकलती है और इसमें कम हानिकारक रसायन होते हैं। कोर्ट ने पुलिस से इस बात को सुनिश्चित करने को कहा था कि प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री नहीं हो सकती है और किसी भी उल्लंघन की स्थिति में संबंधित थाना के एसएचओ को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा और यह अदालत की अवमानना होगी। कोर्ट ने दिवाली के दिन रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे फोड़ने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही पटाखों की ऑनलाइन बिक्री भी रोक दी गई थी। मगर इस आदेश की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। पिछले साल भी दिवाली के समय पटाखों पर बैन लगा था। इस बार भी ऐसा ही आदेश दिया गया था। मगर बढ़ते वायु प्रदूषण ने हवा में इतना जहर घोल दिया है कि अबकी यह पाबंदी क्रिसमस और नए साल तक जारी रहेगी।

बात अगर एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स के पैमाने पर करें तो स्थिति वाकई दयनीय है। खतरनाक वायु प्रदूषण के स्तर की वजह से एनसीआर क्षेत्र के लोग अपनी औसत आयु से 6 साल गंवा रहे हैं। हिंदू में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कोलकाता और मुंबई में बेहतर हवा की गुणवत्ता लगभग 3.5 साल की बढ़ोतरी करेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में 2016 में प्रदूषित वायु ने एक लाख से ज्यादा बच्चों की जान ले ली। बिगड़ती स्थिति बच्चों व बुजुर्गों के लिए खासी चिंताजनक है। प्रदूषण से सांस फूलना, घबराहट, खांसी, हृदय व फेफड़े संबंधी दिक्कतें, आंखों में जलन, दमा का दौरा, रक्त चाप, गले में संक्रमण हो जाता है। पटाखों की तेज आवाज से कान का पर्दा फटने व दिल का दौरा पड़ने की भी संभावना बनी रहती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में सात में से एक बच्चा आउटडोर प्रदूषित वायु में सांस लेकर 9 से 17 सिगरेट के धुएं बराबर जहर फेफड़ों में भर रहा है। विशेषकर भारत में तो इसकी स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

हमारी न्याय व्यवस्था भी प्रत्येक वर्ष विशेषकर दीवाली के समय बढ़े दम घोंटू प्रदूषण के स्तर को देखकर चिंताएं और उपाय जता चुकी है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में दीपावली के पहले ही बढ़ते घातक प्रदूषण को देखते हुए न्यायालय ने 10 नवंबर तक सभी उत्खनन और निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है। ऊर्जा संयंत्रों को छोड़कर कोयले और जीवाश्म ईंधन से चलने वाली फैक्ट्रियों को भी बंद रखने का आदेश दिया गया है। यह सारे उपाय इसीलिए किए गए हैं क्योंकि देश विशेषकर दिल्ली दम घोंटू हवा से परेशान है। वायु प्रदूषण स्तर खतरनाक मानक तक जा चुका है। न ही सरकार और न ही नागरिकों के स्तर पर जागरूकता दिखाई जा रही है। प्रदूषण पर हर कोई चिंतित तो है, मगर उपाय की तलाश करने या उस पर अमल करने को कोई भी तैयार नहीं दिखता।

सच्चाई यही है कि प्रदूषण की समस्या विश्व स्तरीय समस्याओं में से एक है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में 11वें नंबर पर है। यह भी उतना ही भयानक सच है कि दिवाली पर पटाखों का बैन दिल्ली को राहत की सांस नहीं दे सकता। मगर इस निर्णय से हम दिवाली के बाद अचानक बढ़े वायु प्रदूषण के स्तर पर लगाम लगने की अपेक्षा जरूर कर सकते हैं। वायु प्रदूषण के उपायों के मामलों में हमें यूरोपीय देशों से सीखने की जरूरत है। अधिकांश समय ठंड के मौसम में डूबे ये देश कैसे अचानक बढ़े वायु प्रदूषण और स्मॉग की स्थिति पर नियंत्रण करते हैं। साथ ही साथ निजी जीवन में व्यक्तिगत तौर पर भी छोटे-छोटे कदम लेकर ये पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण की कोशिश करते हैं। सिटी ट्री नाम से मॉस की दीवारें बनाई जाती हैं। मॉस से ढंकी ये दीवारें कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और हवा से कण पदार्थ को हटाते ही हैं साथ में ऑक्सीजन भी देते हैं। ऐसा एक वृक्ष एक दिन में 250 ग्राम कणों को अवशोषित करने में सक्षम होता है और प्रत्येक वर्ष 240 मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड को हटाता है जो लगभग 275 पेड़ों के वायु शुद्धिकरण प्रभाव के बराबर स्तर का है। यह कमाल मात्र 13 फीट लंबे मॉस की दीवार का है जो सार्वजनिक स्थानों पर बड़े आराम से स्टील के बेस के साथ लगाया जाता है। अलग-अलग जगहों पर इसकी लंबाई और ऊंचाई अलग-अलग भी है।

एक मॉस दीवार की कीमत लगभग 25 हजार डॉलर है जो ऐसे किसी भी आपात काल से निपटने के लिए बहुत महंगी नहीं है। जब दिवाली या अन्य किसी समय जानलेवा प्रदूषण की जकड़ में दिल्ली या बाकी शहर हों तो यह उपाय पहले से की गई तैयारियों में सरकारों द्वारा शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा यूरोपीय देशों में बड़े-बड़े एयर फिल्टर्स सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाते हैं। इन्हें स्मॉग फ्री टॉवर कहते हैं। यह एक विशाल वैक्यूम क्लीनर के रूप में काम करता है। यह प्रति घंटे 30 हजार घन मीटर हवा साफ करता है और पीएम 2.5 व पीएम10 जैसी हानिकारक कणों को 75 फीसदी तक साफ करके हवा को शुद्ध करता है। चीन में भी ऐसा फिल्टर न सिर्फ प्रदूषण कम कर रहा है बल्कि इन पार्टिकल्स को 1000 घन मीटर के प्रदूषित वायु को कम्प्रेस करके गहने भी बना रहा है जिसे पर्यटक बड़े चाव से खरीद रहे हैं। भारत में भी इन मामलों में बहुतेरे उपाय व्यक्तिगत स्तर से लेकर सरकारी स्तर पर करने की जरुरत है। डीजल गाड़ियों पर प्रतिबंध, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर रोक, मानक स्तर से ज्यादा धुएं छोड़ती गाड़ियों पर कठोर कानून ऐसे ही कुछ उपाय हैं। व्यक्तिगत स्तर पर सार्वजनिक परिवहन के साधनों का प्रयोग, पौधरोपण, एसी और फ्रिज का आवश्यकतानुसार न्यूनतम प्रयोग, खुले में कूड़ा नहीं जलाना आदि ऐसे उपाय हैं, जिनसे हम वायु प्रदूषण से काफी हद तक निपट सकते हैं।

इस साल मार्च से मई के बीच राजधानी और इसके आसपास की हवा खराब रही है। यह चिंताजनक बात है, पर खतरे की ऐसी घंटी तो बार-बार बजती रही है। सवाल है कि क्या इससे कोई सबक लिया गया है। न तो नागरिक चौकस हुए हैं, न ही सरकारों ने जिम्मेदारियों को निभा पाने में संजीदगी दिखाई है। पिछले साल सर्दी में राजधानी में जब प्रदूषण खतरे के सारे पैमानों को लांघता हुआ जान पर बन आया था तब लगा था कि अब लोगों और सरकारों की आंख खुलेगी। लेकिन किसी ने भी उस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया।

स्वाति
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

ट्विटर

मालदीव हमेशा से भारत का बड़ा सहयोगी रहा है। कुछ समय से वह चीन की तरफ झुक गया, मगर अब मौका हाथ आया है। इस बार भारत को कमजोर नहीं पड़ना होगा।

पीके सहगल, सामरिक विशेषज्ञ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे के समय दोनों देशों के बीच दूरियां घटेंगी और चीन का प्रभाव भी कम होगा। यामीन सरकार के दौरान भारत ने जो खोया है, वह अब मिलेगा।

विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

सत्यार्थ

साधना का मोल

रामकृष्ण परमहंस की ख्याति से एक तथाकथित योगी बहुत ईर्ष्या रखता था। एक दिन उसने परमहंस को नीचा दिखाने की ठान ली। वह उनके पास पहुंचा और बोला-तुम्हारे पास कोई चमत्कार है भी या तुम यूं ही परमहंस कहलाने लगे हो? तो इस पर रामकृष्णजी ने जवाब दिया-नहीं भाई! मैं तो बड़ा साधारण इंसान हूं। मेरे पास चमत्कार की शक्ति कहां। योगी ने फिर ताना दिया-तुम परमहंस हो न, तो फिर पानी पर चलकर दिखाओ। ईसा मसीह भी पानी पर चले थे। हनुमान जी ने एक ही छलांग में समुद्र पार कर लिया था। सामने ही गंगा नदी बह रही है, उसके जल पर चलकर दिखा दो, तो मानूं कि तुम सच्चे अर्थों में परमहंस ही हो। तब रामकृष्णजी ने बहुत ही सहजता से कहा-नहीं, मैं पानी पर नहीं ही चल सकता, क्योंकि परमेश्वर की ऐसी इच्छा ही नहीं है। मैं उसकी इच्छा के विपरीत कैसे जा सकता हूं। योगी ने गरजते स्वर में कहा-मैंने पूरे अठारह साल हिमालय पर घोर तपस्या की है। तब कहीं जाकर यह शक्ति प्राप्त की है। आज मैं इस गंगा नदी के जल पर इस पार से उस पार तक चल सकता हूं। उसकी यह गर्वोक्ति सुनकर परमहंस अत्यंत ही विनम्र भाव से बोले-मेरे भाई, तुमने अठारह साल बेकार कर दिए। मुझे तो गंगा के उस पार जाना होता है, तो मांझी को आवाज देता हूं। वह नाव से मात्र दो पैसे में नदी पार करा देता है। जरा सोचो कि अठारह साल में यदि तुमने नदी के पानी पर चलकर उसे पार करने की कथित सिद्धि प्राप्त की है, तो वह कमाई क्या दो पैसे से अधिक की है? यह सुनकर योगी निरुत्तर हो गया। मतलब यही कि भले ही हम साधना के द्वारा शक्ति प्राप्त कर लें, पर उस पर गर्व न करें। संतों का काम तो शक्ति के द्वारा लोगों का भला करना होता है।

राधा नाचीज

सार समाचार

भारत-मोरक्को के बीच समझौता, कानूनी मामले में एक दूसरे की मदद करेंगे

नयी दिल्ली। भारत और मोरक्को ने आपराधिक मामलों में एक दूसरे की सहायता करने और जरूरत पड़ने पर कानूनी मदद प्रदान करने को लेकर एक समझौते पर दस्तखत किये। गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। भारत की ओर से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरेण रिजिजू और मोरक्को की ओर से न्याय मंत्री मोहम्मद औजर ने आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहयोग पर समझौता किया। गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया कि समझौते से मोरक्को के साथ द्विपक्षीय सहयोग मजबूत होगा। अपराधों की रोकथाम, जांच और मुकदमे के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने में मदद मिलने के साथ ही आतंकवादी कृत्यों को वित्तीय मदद का पता लगाने, रोकने और इसे जब्त करने में सहायता भी मिलेगी। बयान में कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने संगठित अपराध और आतंकवाद से पैदा होने वाली चुनातियों का संयुक्त तौर पर मुकाबला करने के प्रति संकल्प जताया।

श्रीलंकाई संसद भंग किए जाने के खिलाफ अदालत में याचिका दायर

कोलंबो। श्रीलंका की मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने सोमवार को राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना द्वारा संसद भंग किए जाने को चुनौती देने के लिए सोमवार को देश की शीर्ष अदालत में याचिकाएं दायर की और न्यायालय से विधायिका को बहाल करने को कहा। संसद में पूर्ण बहुमत प्राप्त तीन पार्टियों के समूह ने शीर्ष न्यायालय से यह भी कहा है कि वह प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को पद से हटाने के सिरीसेना के 26 अक्टूबर के फैसले को अवैध करार दे। सिरीसेना द्वारा विक्रमसिंघे की जगह पूर्व राजनीतिक दिग्गज महिंदा राजपक्षे को नियुक्त किए जाने के बाद से श्रीलंका एक अभूतपूर्व संवैधानिक संकट से घिरा हुआ है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री जाएंगे सऊदी अरब, खशोगी और यमन मुद्दे पर होगी चर्चा

लंदन। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेरेमी हंट सोमवार को सऊदी अरब का दौरा करेंगे, जहां वह पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या को लेकर वहां के शाह सलमान और शहजादे मोहम्मद बिन सलमान पर जांच के लिए दबाव बनाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उस यात्रा के दौरान हंट यमन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के लिए समर्थन हासिल करने की कोशिश करेंगे। खाड़ी देश की यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात भी जाएंगे। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाये राजनयिक संकट के बीच उनकी यह यात्रा होने जा रही है। हंट सऊदी अरब के विदेश मंत्री आदेल अल-जुबेर से भी मुलाकात करेंगे। हंट ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय एक महीने पहले जमाल खशोगी की हुई क्रूर हत्या को लेकर आक्रोश में और एकजुट है।''उन्होंने कहा, ''यह बिल्कुल अस्वीकार्य है कि खशोगी की हत्या के पीछे की पूरी परिस्थितियां अभी भी स्पष्ट नहीं हो पायी है।'

हिंसा रोकने के लिए संसद भंग करनी पड़ीः मैत्रीपाला सिरिसेना

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने संसद भंग करने के अपने विवादित फैसले का बचाव करते हुए रविवार को कहा कि अध्यक्ष कारू जयसूर्या द्वारा उन पर सांसदों के अधिकारों को ''छीनने'' का आरोप लगाने के बाद प्रतिद्वंद्वी सांसदों के बीच हिंसक संघर्षों से बचने के लिए यह फैसला लिया गया। सिरिसेना ने राष्ट्र को दिए संबोधन में निर्धारित समय से पहले ही संसद भंग करने की वजह बताई। कई राजनीतिक दलों और सिविल सोसायटी समूहों ने सिरिसेना के फैसले की आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक और गैरकानूनी बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टें थी कि दोनों नेताओं के बीच प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के लिए मतदान के दौरान झड़पें होंगी। 26 अक्टूबर को सिरिसेना ने करीब साढ़े तीन साल तक तनावपूर्ण संबंध के बाद अचानक रानिल विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री के पद से बर्खास्त कर दिया था और उनके स्थान पर महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया था। इस कदम के बाद देश संवैधानिक संकट में फंस गया था। सिरिसेना ने संसदीय कार्यवाही 16 नवंबर तक के लिए निर्लंबित कर दी थी। बाद में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबाव में उन्होंने 14 नवंबर को संसद की बैठक फिर बुलाने के लिए नोटिस जारी किया। लेकिन शुक्रवार को सिरिसेना ने संसद भंग कर दी और पांच जनवरी को मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की। दरअसल जब यह स्पष्ट हो गया कि प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के लिए सदन में उनके पास पर्याप्त समर्थन नहीं है तब सिरिसेना ने यह कदम उठाया।

सिरिसेना ने कहा, ''अगर मैं संसद को 14 नवंबर को बैठक करने की मंजूरी देता तो संसद में हिंसा हो सकती थी और यह हमारे गांवों तथा शहरों में फैल सकती थी।''उन्होंने कहा, ''यह दुखद है कि सांसदों को 10 से 15 करोड़ रुपये के लिए खरीदा जा रहा है।'' उन्होंने कुछ सांसदों के बयानों का जिक्र किया कि उन्हें दल बदल के लिए बड़ी धनराशि की पेशकश की गई है। सिरिसेना ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति के लिए संसद अध्यक्ष जयसूर्या को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''संसद भंग करने का अन्य कारण अध्यक्ष कारू जयसूर्या का व्यवहार भी था। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि वह मेरी राष्ट्रपति की शक्तियों का इस्तेमाल कर हुई नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति को स्वीकार नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा कि जयसूर्या द्वारा संसदीय सत्र के पहले ही दिन शक्ति परीक्षण पर जोर मंजूर नहीं है। इससे पहले जयसूर्या ने सिरिसेना पर सांसदों की शक्तियां ''छीनने'' का आरोप लगाया। ।

जयसूर्या ने एक कठोर बयान में कहा , ''मैं पिछले दो हफ्तों से देख चुका हूं। कार्यपालिका शाखा ने सासंदों के अधिकार जब्त कर लिए हैं, उनकी शक्तियां छीन ली हैं जो लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए निर्वाचित हुए थे।''उन्होंने कहा, ''मैं सभी जनसेवकों से किसी भी अवैध आदेश को लागू करने से इनकार करने का आह्वान करता है, इससे फर्क नहीं पड़ता कि कौन उन्हें ये आदेश दे रहा है।'' सिरिसेना समर्थक सरत अमूनुगामा के बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे अफसोस है कि अति सम्मानित नेता कथित विदेश मंत्री ने झूठा आरोप लगाया है कि जब 14 नवंबर को संसद की बैठक होती तब मेरी मंशा राष्ट्रपति को सरकार का बयान देने से रोकने की थी। इसी काल्पनिक आधार पर मंत्री ने कहा कि संसद भंग करना पड़ी।

अमेरिकी लड़ाकू जेट विमान जापान के ओकिनावा तट पर दुर्घटनाग्रस्त

तोक्यो। अमेरिकी नौसेना का एक लड़ाकू जेट विमान जापान के दक्षिणी ओकिनावा द्वीप पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि, इसके चालक दल के दो सदस्यों को जीवित बचा लिया गया। जापान के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के ओकिनावा रक्षा ब्यूरो के प्रवक्ता ओसामू कोसाकाई ने बताया कि लड़ाकू जेट विमान रात करीब पौने 12 बजे (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार रात दो बजकर 45 मिनट पर) ओकिनावा की राजधानी नाहा से करीब 250 किलोमीटर (156 मील) पूर्व-दक्षिणपूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

उन्होंने एएफपी को बताया कि अमेरिकी सैन्य हेलिकॉप्टर के जरिये इसके चालक दल के दो सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना ''जानलेवा'' नहीं थी। उन्होंने बताया कि ''इंजन में खराबी आने के चलते'' लड़ाकू जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। जापान के तटरक्षक बल के प्रवक्ता ने एएफपी को बताया, ''समुद्र में किसी तरह के मलबे या पानी में तेल के रिसाव का पता लगाने के लिये तटरक्षक बल ने समुद्र की ओर एक विमान भेजा।''

अमेरिका ने सऊदी प्रिंस से कहा, 'खशोगी के हत्यारों को जवाबदेह ठहराया जाएगा'

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने सोमवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से कहा कि अमेरिका सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराएगा. फोन पर हुई विस्तृत बातचीत में दोनों के बीच यमन में चल रहे संघर्ष पर भी चर्चा हुई.

गौरतलब है कि अमेरिका में रह रहे सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खशोगी की दो अक्टूबर को तुर्की के इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गई थी. सऊदी क्राउन प्रिंस पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है. इस घटना से अमेरिका और सऊदी अरब के बीच दशकों पुराने संबंध में तनाव आ गया है. वाशिंगटन पोस्ट के लिए लिखने वाले खशोगी कई चीजों को लेकर सऊदी शासन की आलोचना करते थे.

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हीथर नोर्ट ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि अमेरिका जमाल खशोगी की हत्या में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराएगा और सऊदी अरब को भी ऐसा ही करना चाहिए. शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने पहले कहा था कि खशोगी की हत्या 'अंतरराष्ट्रीय कानून के मानदंडों का उल्लंघन करती है' और अमेरिका इसमें संलिप्त लोगों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में विचार कर रहा है.

आपको बता दें कि सऊदी अरब ने इस्तांबुल में अपने वाणिज्य दूतावास में पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद सबूतों को छिपाने के खास मकसद से दो विशेषज्ञों को भेजा था. तुर्की के एक अधिकारी ने पांच नवंबर को यह बात कही. एक जमाने में सऊदी के शाह परिवार के करीबी रहे और बाद में उनके आलोचक बन गये खशोगी की दो अक्टूबर को इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हत्या के एक महीने से कुछ दिन बाद भी तुर्की को अभी तक उनका शव नहीं मिल सका है. दावे किये जा रहे हैं कि खशोगी की लाश को तेजाब में घोल दिया गया था.

59 वर्षीय पत्रकार की हत्या ने पश्चिम में सऊदी अरब की छवि को बुरी तरह प्रभावित किया है और शहजादे मोहम्मद बिन सलमान बचाव की मुद्रा में आ गए हैं. तुर्की के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर होने की शर्त पर कहा था कि हमारा मानना है कि तुर्की की पुलिस को परिसर की तलाशी की अनुमति देने से पहले जमाल खशोगी की हत्या के सबूतों को छिपाने के एकमात्र मकसद से दो लोग तुर्की आये थे.''

अधिकारी ने सबा अखबार की खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि पिछले महीने हुई हत्या की जांच करने के लिए सऊदी अरब से भेजे गए दल में रसायन विशेषज्ञ अहमद अब्दुल्ला अजीज अल-जनोबी और विष विज्ञान विशेषज्ञ खालिद याहिया अल जहरानी शामिल हैं. अखबार के अनुसार, सऊदी अरब के दल ने 11 अक्टूबर को यहां पहुंचने के दिन से 17 अक्टूबर तक रोजाना वाणिज्य दूतावास का दौरा किया.

आत्मघाती विस्फोट से दहला काबुल, तीन की मौत

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को प्रदर्शनकारियों की एक भीड़ के समीप आत्मघाती बम धमाका होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी। उस जगह सैकड़ों लोग अल्पसंख्यक हजारा समुदाय को तालिबान द्वारा निशाना बनाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता वाहिद मजरूह ने बताया कि इस विस्फोट में आठ अन्य घायल भी हो गये। यह हमला एक हाईस्कूल के सामने हुआ। व्हाट्सअप पर साझा की गयी तस्वीर में जमीन पर कई शव नजर आ रहे हैं। गृह मंत्रालय के उप प्रवक्ता नसरत राहिमी ने कहा, ''पैदल चलकर आया आत्मघाती हमलावर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाना चाहता था। लेकिन उसे प्रदर्शन स्थल से करीब 200 मीटर दूर सुरक्षा चौकी पर रोक लिया गया।'' मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''कई लोग हताहत हुए और मैं कह सकता हूं कि उनमें से ज्यादातर सुरक्षाकर्मी हैं।'' उन्होंने जमीन पर 10-15 हताहत लोगों और इधर-उधर बिखरे अंगों को भी देखा। उन्होंने बताया कि ज्यादातर हताहत लोग अफगानिस्तान की खुफिया एजेंसी के सदस्य और पुलिसकर्मी हैं जिन्हें प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। चश्मदीद कैस नवाबी ने कहा, ''इश्तिकाल हाईस्कूल के समीप जबर्दस्त धमाका हुआ। वहीं पास में प्रदर्शनकारी इकट्ठा थे। फिलहाल किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों समेत लोग दक्षिणपूर्वी गजनी प्रांत के हजारा बहुल दो जिलों में सेना की तैनाती की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे थे। ज्यादातर हजारा शिया मुसलमान होते हैं।

बांग्लादेश में आम चुनाव की तारीख बढ़ी, 30 दिसंबर को होगा मतदान

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश में अगले महीने होने जा रहे आम चुनाव की तारीख चुनाव आयोग ने एक सप्ताह बढ़ा कर 30 दिसंबर करने की सोमवार को घोषणा की. एक दिन पहले ही देश के मुख्य विपक्षी गठबंधन ने चुनाव एक महीना टालने की मांग की थी. पिछले सप्ताह, बांग्लादेश चुनाव आयोग ने कहा था कि आम चुनाव 23 दिसंबर को होगा. जेल की सजा काट रही पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी बीएनपी ने रविवार को कहा कि वह अगले महीने आम चुनाव में हिस्सा लेगी.

पार्टी ने 2014 के चुनाव का बहिष्कार किया था. उस चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को सत्ता मिली थी. मुख्य चुनाव आयुक्त नुरूल हुदा ने कहा, ''बांग्लादेश में 11 वां आम चुनाव 30 दिसंबर को होगा. '' नव गठित नेशनल यूनिटी फ्रंट (एनयूएफ) की मांग पर उन्होंने यह कहा. इस गठबंधन में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एक अहम घटक दल है . उन्होंने कहा कि पांच सदस्यीय आयोग ने चुनाव का कार्यक्रम फिर से तय करने का फैसला किया क्योंकि एनयूएफ के प्रस्ताव ने चुनाव में उनकी भागीदारी के बारे में आयोग को आश्वस्त किया है. इस बारे में कई महीनों से अनिश्चितता बनी हुई थी.

अमेरिका में तुलसी गेबार्ड लड़ सकती हैं राष्ट्रपति चुनाव, होंगी पहली हिंदू उम्मीदवार

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

वॉशिंगटन = अमेरिका की पहली हिंदू सांसद तुलसी गेबार्ड 2020 में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों में उतर सकती हैं. अगर ऐसा हुआ तो वह इस दौड़ में शामिल होने वाली अमेरिका की पहली हिंदू उम्मीदवार होंगी. तुलसी की पहचान यूएस कांग्रेस में हवाई से पहली हिंदू सांसद के रूप में है. शुक्रवार को लास एंजेलिस में मेडट्रोनिक कॉन्फ्रेंस में भारतीय अमेरिकी डॉ. संपत शिवांगी ने उनका औपचारिक रूप से परिचय कराया. उन्होंने कहा, 37 वर्षीय तुलसी 2020 में अमेरिका की अगली राष्ट्रपति हो सकती हैं. इस संक्षिप्त परिचय का स्वागत लोगों ने खड़े हो कर तालियों की गड़गड़ाहट से की.

खुद तुलसी ने इस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. लेकिन उन्होंने इस बात से न तो इनकार किया और न ही इसे स्वीकार किया कि वह 2020 में चुनाव लड़ेंगीं. हालांकि कहा जा रहा है कि अगले साल क्रिसमस के बाद वह इस बारे में फैसला ले सकती हैं. लेकिन इसका कत्तई मतलब नहीं कि उसकी कोई औपचारिक घोषणा भी की जाए क्योंकि इसे अगले साल तक लंबित रखा जा सकता है.

बहरहाल, बताया जा रहा है कि 2020 के चुनाव के लिए प्रभावशाली अभियान खड़ा करने के लिए वह और उनकी टीम खामोशी से संभावित दानदाताओं से संपर्क कर रहे हैं. इन दानदाताओं में एक बड़ी संख्या भारतीय मूल के अमेरिकियों की है.

भारतीय नहीं हैं तुलसी...

तुलसी गबार्ड भारतीय नहीं हैं उनके पिता समोआ मूल के कैथोलिक माइक गबार्ड हैं जो हवाई के राज्य सीनेटर रहे हैं. उनकी मां काकेशियाई मूल की करोल पोर्टर गबार्ड हैं, जो हिंदू धर्म का पालन करती हैं. खुद गबार्ड ने युवावस्था में हिंदू धर्म अपनाया. अगर गबार्ड राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दावेदारी करती हैं तो वह ऐसी दावेदारी करने वाली अब तक की किसी भी पार्टी की पहली हिंदू नेता होंगी.

अफगानिस्तान में अमेरिकी दूत के लौटते ही तालिबान के हमलों में आई तेजी

गजनी (अफगानिस्तान) (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी दूत जलमय खलीलजाद के लौटते ही तालिबान ने अल्पसंख्यक हाजरा समुदाय बहुल एक जिले में रविवार को हमला तेज कर दिया। दक्षिणपूर्वी प्रांत गजनी के जगहोरी जिले में एक झड़प में आतंकवादियों ने 15 नागरिकों और अफगानिस्तान के विशेष बल के 10 सदस्यों की हत्या कर दी। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता अहमद खान सिरात ने यह जानकारी दी। सिरात ने बताया कि विशेष बल के अन्य छह सदस्य और आठ नागरिक घायल भी हुए हैं।

वहीं, तालिबान प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने एक व्हाट्सऐप संदेश में कहा कि 22 अफगान कमांडो मारे गए हैं और काफी संख्या में घायल भी हुए हैं। जिले में बुधवार से ही झड़पें जारी हैं। काबुल ने गुरूवार को इलाके में विशेष बल तैनात किए थे। ज्यादातर हाजरा शिया संप्रदाय से हैं जबकि तालिबान सुन्नी और पश्तून हैं। खलीलजाद के अफगानिस्तान लौटने के साथ हिंसा में तेजी आई है। वह युद्धग्रस्त देश में शांति लाने के लिए क्षेत्रीय कोशिशों के साथ समन्वय करना चाहते हैं। उन्होंने शनिवार को राष्ट्रपति अशरफ गनी से मुलाकात की।

बिहार विकास मंडल द्वारा वियर कम कोजवे पर भव्य तैयारियां

सूरत। रोशनी के पर्व दिपावली के छठे दिन धूम धाम से मनाये जाने वाले सुर्य उपासना त्यौहार सुरु हो गया है। इस त्यौहार में बिहार झारखंड पुर्वोतर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हिन्दुओं का त्यौहार है। जिसमें डुबते हुए सुर्य की पुजा कि जाती है। 13-11-2018 मंगलवार संध्या डुबते हुए अदित्य सुर्य को अर्ध्य अपर्ण किया जाएगा रात भर प्रतिआ केबाद बुधवार सुर्योदय अर्ध्य अपर्ण किया जाएगा। महानगर में बसे हुए बिहार झारखंड पुर्वोचल उत्तर प्रदेश के लोगों का पर्व त्यौहार एं सांस्कृतिं से जौड रखने के उद्देश्य से पिछले 26 वर्षों से बिहार विकास मंडल द्वारा तापी नदी के तट पर मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में 40 से 50 हजार से अधिक संख्या में भक्त लोगों के भाग लेने का अनुमान है।

सूरत। दीपावली के खत्म होते ही सूरत के बाजारों में पसरा सन्नाटा। सोमवार को रिंग रोड़ स्थित कपड़ा मार्केट में गिने चुने लोग ही देखने के मिले।

सूरत। दीपावली की छुट्टीयों के बाद सोमवार को सिविल होस्पिटल में लंबी-लंबी लाईने लगी दिखाई दी। कई दिनों से डॉक्टर दिवाली के चलते छुट्टी पर थे इसी लिए सिविल अस्पताल में इमरजेंसी के अलावा किसी भी मरिजों का इलाज नहीं हो रहा था जिसके चलते काफी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूरत। सोमवार को लाभपांचम की पूजा करते रिंग रोड़ पर कपड़ा मार्केट के व्यापारी।

डॉक्टरो ने उसकी हालत स्थिर बताई

सीएम के कार्यक्रम में किसान ने किया आत्महत्या का प्रयास

भू माफिया ने पंचायती जमीन पर कब्जा कर मेरे खेत को जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया : महर्षिभाई डोडिया

अहमदाबाद। गुजरात में गिर सोमनाथ जिले के प्रांसली गांव में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की जनसभा में एक किसान ने रविवार को कीटनाशक खाकर आत्महत्या प्रयास किया। गिर सोमनाथ के पुलिस अधीक्षक राहुल त्रिपाठी ने बताया कि महर्षिभाई डोडिया जिले की कोडिनार तालुका के डोलासा गांव में अपने खेत के प्रवेश बिन्दु पर पंचायती जमीन पर स्थानीय अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण को न हटाए जाने से क्षुब्ध था।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, किसान की कृषि भूमि के बाहर प्लॉट पर किसी ने अवैध कब्जा कर लिया है। इस कारण उसके लिए अपने खेत में प्रवेश करना मुश्किल हो गया है। अतिक्रमण हटाने के लिए कलेक्टर द्वारा पहले ही आदेश दिया जा चुका है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने इस पर कार्रवाई नहीं की। त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने गांव में जैसे ही लोगों को संबोधित करना शुरू किया, डोडिया ने कीटनाशक खा लिया। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर तैनात पुलिसकर्मी पीड़ित को वीरवाल सरकारी अस्पताल ले गए। डॉक्टरो ने उसकी हालत स्थिर बताई। डोडिया ने संवाददाताओं से कहा कि भू माफिया द्वारा पंचायती जमीन पर कब्जे के चलते उसके लिए अपने खेत में प्रवेश करना मुश्किल हो गया है।

उसने कहा, भू माफिया ने पंचायती जमीन पर कब्जा कर मेरे खेत को जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया। मैंने मुख्यमंत्री से संपर्क किया था जिन्होंने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। डोडिया ने अस्पताल में संवाददाताओं से कहा, मैने पंचायत अधिकारियों और तालुका विकास अधिकारी से बार-बार अपील की, लेकिन सब व्यर्थ रहा। इसके हताश होकर मैंने अपने जीवन खत्म करने का फैसला किया।

जसदण उप चुनाव की तारीखों का ऐलान करने की संभावना

अहमदाबाद। जसदण की उप चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस में भारी प्रतिष्ठा और जंग जीतने का माहौल रहा है तब चुनाव आयोग द्वारा भी जसदण की उप चुनाव के तारीखों को सोमवार को ऐलान करने की संभावना है। सोमवार को चुनाव आयोग अपने निर्णय का ऐलान करे ऐसी संभावना रही है, जिसमें ७ तारीख या ९ दिसम्बर को मतदान और ११ दिसम्बर को मतगिनती की तारीख ऐलान करने की संभावना रही है दूसरी तरफ, कांग्रेस में से भोलाभाई गोहेल को टिकट दिया जाए ऐसी संभावना रही है। जसदण के विधायक कुंवरजीभाई बावलिया कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने पर इस सीट पर उप चुनाव आयोजित किया जाएगा।

कैमरों से वाहनचालकों पर कड़ी निगरानी

गांधीनगर में ई-मुद्रा की २० नवंबर से शुरूआत

अहमदाबाद। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में भी अब ई-मुद्रा की शुरूआत होने जा रही है। २० नवंबर से इसकी शुरूआत की जाएगी। अहमदाबाद में यह प्रक्रिया शुरू होने के एक वर्ष का समय हो चुका है। यह व्यवस्था सफल रूप से लागू रहने के बाद अब गांधीनगर में इसकी शुरूआत होने जा रही है। गांधीनगर पुलिस के अधिकारियों ने कहा है कि गांधीनगर से बाहर से आते वाहनों को भी मेमो दिया जाएगा। कैमरों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। गांधीनगर पुलिस के इंस्पेक्टर पीके वालेरा ने कहा है कि, सिस्टम में जरूरी फेरबदल करने के उद्देश्य से ई मुद्रा की व्यवस्था कुछ समय के लिए बंद रखी गई थी लेकिन अब इसे फिर शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। ट्राफिक नीति-नियमों का भंग करने वाले पर कैमरों के द्वारा नजर रखी जाएगी। पहले हररोज ५०० मेमो हो रहा था। यह संख्या बढ़ सकती है। क्योंकि हम जिले के बाहर भी मेमो भेजेंगे। विशेष करके अहमदाबाद में मेमो भेजा जाएगा। क्योंकि अहमदाबाद से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते है और ट्राफिक नियमों का भंग करते हैं। गांधीनगर शहर के सभी बड़े स्थलों पर कैमरे लगाये गये हैं। कैमरों की संख्या बढ़कर २२५ कर दी गई है। शिकायतों की बढ़ रही संख्या को ध्यान में लेकर अलग-अलग कदम उठाये जा रहे हैं। अन्य टेकनीकल मुद्दे को भी ध्यान में लिया जा रहा है। जिस मामले में पहले भी मेमो दिया गया है इस संदर्भ में एक नोडल अधिकारी निर्णय लेगा। १५६ लोग मार्ग दुर्घटनाओं में शिकार ८ महीनों के दौरान ही बन चुके हैं। ट्राफिक नियमों के भंग के कारण दुर्घटना भी फिलहाल के समय में बढ़ गई है।

अहमदाबाद में हत्या का सिलसिला जारी

सरसपुर में ७ लोगों ने मिलकर युवक की खुलेआम हत्या की

अहमदाबाद। त्यौहारों के समय में अहमदाबाद शहर में अपराधी बेखौफ हो गये हो इस तरह शहर में पिछले तीन दिन में हररोज एक हत्या के बाद एक घटना हो रही है। शहर में लगातार तीसरे दिन में भी हत्या का सिलसिला कायम रहा। शहर के सरसपुर क्षेत्र में मामूली तकरार में सात लोगों ने मिलकर एक युवक को खुलेआम हत्या कर देने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। इस हत्या के साथ शहर में अब मर्डर, दुष्कर्म, सेंधमार चोरी, चेन स्नेचिंग सहित के अपराधों ने हद कर दिया है शहर की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। मामले की गंभीरता को ध्यान में लेकर एसओजी क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को मिली जानकारी के आधार पर कुछ ही घंटों में इस हत्या में शामिल रहे आरोपी दशरथ उर्फ दशीयो श्यामजी क्रिश्ना वर्मा और राजपाल उर्फ लाली विश्वनाथ ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पिछले तीन दिन में वस्त्रापुर, जीवराज पार्क और शहरकोटडा में तीन हत्या की घटना होने से पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए सक्रिय हो गई है। दूसरी तरफ, उच्च पुलिस अधिकारियों ने हत्या की घटना के मामले में स्थानीय पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने की सूचना दी है अब सरसपुर अरविंदमील की चाली में रहते बिपिन परमार (उम्र.२५) नाम का युवक गत दिन देर रात को अरविंदमील के बंद दरवाजे के पास मित्रों के साथ बैठा था तब एक आई २० कार में दो शख्स आये। एक व्यक्ति फोन पर जोर जोर से गाली बोलकर बात कर रहा था जिसकी वजह से बिपिन ने गाली नहीं बोलने का कहने पर अज्ञात शख्सों ने तुम यहां के दादा हो यह कहकर झगड़ा किया था और दूसरे मित्रों को बुलाया था। कार में अन्य शख्स भी वहां हथियार के साथ आये। ये लोग यहां के दादा है यह कहकर सभी आरोपियों ने चाकू सहित के हथियारों के द्वारा बिपिन परमार की पिटाई करना शुरू कर दिया और उस पर हमला करके उसे घायल कर दिया था। बाद में इसे निकट के शारदाबहन अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। जहां इसे डॉक्टर ने मृतक घोषित कर दिया था।

जैसलमेर-उदयपुर के लिए विमान सेवा ३० नवम्बर से

सूरत में बसे राजस्थानी लोग काफी समय से उदयपुर और जैसलमेर के लिए फ्लाइट की मांग कर रहे थ

सूरत। सूरत से विभिन्न शहरों के लिए एयर कनेक्टिविटी में लगातार इजाफा हो रहा है। स्पाइस ज ेट ३० नवम्बर से जैसलमेर और उदयपुर के लिए फ्लाइट शुरू करेगी। सूरत एयरपोर्ट एकशन कमेटी के संजय ईजावा ने बताया कि सूरत में बसे राजस्थानी काफी समय से उदयपुर और जैसलमेर के लिए फ्लाइट की मांग कर रहे थे। इसी के मद्देनजर स्पाइस जेट ने जैसलमेर और उदयपुर के लिए फ्लाइट शुरू करने का फैसला किया है। सूरत के कपड़ा व्यापारियों में कई जैसलमेर, उदयपुर मूल के हैं। यह फ्लाइट शुरू होने से उनके समय की बचत होगी। फिलहाल सूरत एयरपोर्ट से मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरू, चेन्नई आदि शहरों के लिए सीधी कनेक्टिविटी है। एयर इंडिगो १६ अगस्त से सूरत एयरपोर्ट से सात शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा, कोलकाता और उदयपुर के लिए विमान सेवा शुरू कर चुकी है। इन शहरों के लिए विमान सेवाएं शुरु करने से दुबई और दोहा के साथ अन्य २३ शहरों के लिए भी कनेक्टिविटी मिली है। इंडिगो की सूरत-जयपुर उडान से लोगों को वैकल्पिक फ्लाइट को सुविधा मिली है। यह फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार चल रही है। इससे पहेले स्पाइस जेट सूरत-जयपुर के बीच रेग्युलर फ्लाइट सेवा दे रहा था। सूरत और कोलकाता के बीच एयर इंडिगो की विमान सेवा १ सितंबर से शुरू हुई थी। इंडिगो वाराणसी और लखनऊ के लिए भी विमान सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)